भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

जून 2021 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

उपरीभूमि में शुष्क सीधी बुआई धान

- *ऊपरी भूमि में सीधी बुवाई धान के लिए, सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सीआर धान 102, सहभागीधान, फाल्गुनी, वंदना, खंडगिरी, उदयगिरी और अंजलि जैसी छोटी अवधि की किस्मों का उपयोग करें।*
- *सीधी बुवाई वाले धान में अंतिम भूमि की तैयारी के दौरान अच्छी तरह से सड़ी गोबर खाद 8 क्विंटल प्रति एकड़ दर पर प्रयोग करें।*
- *ऊपरीभूमि धान में फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा 12 किग्रा प्रति एकड़ (अधिमानतः 75 किग्रा एसएसपी या 27 किग्रा डीएपी + 20 किग्रा एमओपी) को हल के पीछे से या उर्वरक-सह-बीज ड्रिल द्वारा आधारी मात्रा के रूप में डालें।*
- *बुआई से पहले, बीज को ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मूलेशन 10 ग्राम/ किग्रा बीज दर पर या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए किसी अन्य बीज उपचार रसायन के साथ उपचार किया जाना चाहिए।*
- *सीधी बुआई वाली धान के लिए बुआई कार्य पूरी करें। बीजों को अधिमानतः सीड ड्रिल या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल के साथ या देशी हल के पीछे 15 x15 या 20 x 10 सेंटीमीटर की दूरी पर जुताई करें। बीज को 4-6 सेमी की गहराई पर रखना चाहिए। बीज के परीक्षण वजन के आधार पर 24-30 किलोग्राम प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।*
- *हाथों से निराई के विकल्प के रूप में, खरपतवारों के निकलने के 8-10 दिनों के बाद या जब नम मिट्टी में खरपतवार 2-3 पत्ती अवस्था में हो, तो बिस्पिरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली/एकड़ दर पर 16 लीटर क्षमता वाले 8 स्प्रेयर में छिड़काव करें।*

निचलीभूमि में शुष्क सीधी बुआई धान

- *मध्यम गहरे जल वाली धान के लिए वर्षाधान, दुर्गा, सीआर धान 501, सरला, गायत्री, सीआर धान 1009 सब1, गहरे पानी वाले क्षेत्रों के लिए सीआर धान 500, सीआर धान 502 (जयंती धान), सीआर धान 503 (जलमणि), सीआर धान 505 और सीआर धान 507 (प्रशांत) जैसी किस्में चुनें। बीजों को अधिमानतः सीड ड्रिल या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल के साथ या देशी हल के पीछे 15 सेंटीमीटर की दूरी पर जुताई करें। बीज को 4-6 सेमी की गहराई पर रखना चाहिए। बीज के परीक्षण वजन के आधार पर 24-30 किलोग्राम प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।*
- *सीधी बुवाई वाले धान में अंतिम भूमि की तैयारी के दौरान अच्छी तरह से सड़ी गोबर खाद 8 क्विंटल प्रति एकड़ दर पर प्रयोग करें।*

- *उथली निचलीभूमि धान में फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा 16 किग्रा प्रति एकड़ (अधिमानतः 35 किग्रा डीएपी या 27 किग्रा एमओपी) प्रयोग करें जबकि रेतीली मिट्टी में 35 किग्रा डीएपी + 13.5 किग्रा एमओपी आधारी मात्रा के रूप में प्रयोग करें।*
- *अर्ध गहरे और गहरे जल वाले भूमि में सीधे बोए गए चावल के क्षेत्रों में जहां टॉप ड्रेसिंग संभव नहीं है, अंतिम भूमि की तैयारी के समय नत्रजन, फास्फोरस और पोटाश 16:8:8 किग्रा/एकड़ दर पर पूरी मात्रा आधारी मात्रा (17.5 किग्रा डीएपी + 13.5 किग्रा एमओपी + 30 किग्रा यूरिया) के रूप में प्रयोग करें।*
- *बुआई से पहले, बीज को ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मूलेशन 10 ग्राम/ किग्रा बीज दर पर या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए किसी अन्य बीज उपचार रसायन के साथ उपचार किया जाना चाहिए।*
- *सीधी बुआई वाली धान के लिए बुआई कार्य पूरी करें। बीजों को अधिमानतः सीड ड्रिल या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल के साथ या देशी हल के पीछे 20 x 15 या 20 x 10 सेंटीमीटर की दूरी पर जुताई करें जिससे धान पावर वीडर का उपयोग करके यांत्रिक खरपतवार नियंत्रण की सुविधा हो सके। बीज को 4-6 सेमी की गहराई पर रखना चाहिए। बीज के परीक्षण वजन के आधार पर 24-30 किलोग्राम प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।*
- *हाथों से निराई के विकल्प के रूप में, खरपतवारों के निकलने के 8-10 दिनों के बाद या जब नम मिट्टी में खरपतवार 2-3 पत्ती अवस्था में हो, तो बिस्पिरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली/एकड़ दर पर 16 लीटर क्षमता वाले 8 स्प्रेयर में छिड़काव करें।*

प्रतिरोपित धान

- *अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्र, ब्लॉक कार्यालयों विश्वसनीय स्त्रोतों और अन्य प्रतिष्ठित फार्मों से उथली निचलीभूमि में प्रतिरोपित चावल के लिए सीआर धान 307 (मौड़मणि), सीआर धान 303, सीआर धान 304, एमटीयू 1001, एमटीयू 1010, नवीन, सीआर धान 310, सीआर धान 312, सीआर धान 314, डीआरआर 44 जैसी किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज चुनें। उन्नत ललाट, सीआर धान 301 (ह्यू), सीआर धान 800 (स्वर्णा एमएएएस), सीआर धान 404, स्वर्णा, पूजा, स्वर्णा सब1 और बीपीटी 5204 किस्में चयन करें।*
- *तटीय लवण क्षेत्र के लिए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वसनीय स्त्रोतों से लवण सहिष्णु किस्मों जैसे सीआर धान (405 लुणा सांखी), सीआर धान 403 (लुणा सुवर्णा), डीआरआर 39 और लुणीश्री किस्में चयन करें।*
- *सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि में संकर की खेती करने के इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों से अजय, राजलक्ष्मी, सीआर धान 701, केआरएच-2 और पीएचबी 71 जैसे संकरों की अच्छी गुणवत्ता वाले विश्वसनीय बीज खरीदें।*
- *बाढ़ प्रवण उथली निचलीभूमि के लिए विश्वसनीय स्त्रोतों से अचानक बाढ़ सहिष्णु किस्मों स्वर्णा सब1, रणजीत सब1, बहादुर सब1, बिनाधान 11 और सांबा महसूरी सब1 किस्में चयन करें।*
- *सूखा प्रवण मध्यम भूमि के लिए विश्वसनीय स्त्रोतों से सहभागीधान, डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धान 71, स्वर्णश्रेया जैसी सूखा सहिष्णु किस्में चयन करें।*

- *सुगंधित चावल के इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों या फार्मों या एजेंसियों से गीतांजलि, सीआर सुगंध धान 907, सीआर सुगंध धान 908 और सीआर सुगंध धान 910 किस्में चयन करें।*
- *ढैंचा के बीज की बुआई 12 किलो प्रति एकड़ की दर से करें और रोपित धान में हरी खाद के लिए उपयुक्त मिट्टी की नमी पर बुवाई करें।*
- *वर्षाश्रित सिंचित क्षेत्रों में, शुष्क नर्सरी के लिए नर्सरी क्यारी की तैयारी और शुष्क नर्सरी में बुवाई दक्षिण पश्चिम मानसून के आंरभ सहित जारी रखी जा सकती है।*
- *लवणीय मिट्टी और लवणीय जल वाले क्षेत्रों में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे शुष्क नर्सरी न करें। ऐसे क्षेत्रों में उपयुक्त सिंचाई सुविधाओं के तहत कम लवणता प्रभावित भूमि में सामुदायिक नर्सरी की स्थापना की जा सकती है।*
- *एक एकड़ क्षेत्र में रोपाई के लिए लगभग 320 वर्गमीटर क्षेत्र में नर्सरी क्यारी की आवश्यकता होती है। 10 सेमी ऊँचे, 1.2-1.5 मीटर चौड़े और सुविधाजनक लंबाई के गीले नर्सरी वाले क्यारी तैयार करें। दो क्यारियों के बीच में 30-45 सें.मी. चौड़ाई वाली सिंचाई/जल निकासी नाली रखा जाना चाहिए।*
- *बुआई से पहले, बीजों को ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मूलेशन 10 ग्राम / किग्रा बीज दर पर (धान के बीज को 8 घंटे के लिए पानी में भिगोएँ, ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मुलेशन के साथ मिलाएं और नर्सरी में बुवाई से 24 घंटे पहले नम बोरी या पॉलीथिन से ढककर ढेर के रूप में 12 के लिए स्टोर करें) या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किया गया कोई अन्य बीज उपचार रसायन से उपचार करें।*
- *अधिक खरपतवार ग्रसित क्षेत्रों में धान की नर्सरी में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुआई करने 3-5 दिनों के बाद पायराज़ोसल्फ्यूरॉन-इथाइल 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर पर 16 लीटर क्षमता वाले 8 टैंकों में छिड़काव करें।*
- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का प्रकोप देखा जाता है, तो एनएसकेई (अजाडिरक्टिन) 800 मिली/एकड़ दर पर या लंबाडा-सायहोलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर पर या थियामेथोजाम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*
- *जड़-गाँठ सूत्रकृमि और तना छेधक आक्रांत क्षेत्रों में नर्सरी क्षेत्र में बुवाई के 5 दिन बाद, कार्बोफ्यूरन के दाने 3 ग्राम/वर्गमीटर दर पर या फोरेट 1 ग्राम/वर्ममीटर दर पर या डायज़िनॉन 1 ग्राम/वर्गमीटर प्रयोग करें।*
- *यदि अंकुरित पौधों में प्रध्वंस दिखाई दे तो प्रोपिकोनाजोल 1 मिली / 1 लीटर पानी की दर से प्रयोग करें।*
- *यदि नर्सरी में पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथियोलेन 40ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *धान की नर्सरी में बकाने की बीमारी को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1ग्राम/ लीटर पानी दर पर छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *भूरे धब्बे के मामले में, प्रोपिकोनाजोल 25ईसी 1 मिली या मांकोजेब 75 डब्ल्यूपी दर पर या कार्बेडाजिम 64%+ मांकोजेब 8% 75 डब्ल्यूपी 1.5ग्राम/ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*

- *चावल टुंग्रो रोग के मामले में, इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 0.25 मिली या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूपी दर पर या 0.2 ग्राम/ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करके हरा पत्ता माहू कीट का नियंत्रण करें।*
- *यदि अंकुरित पौधों में प्रध्वंस दिखाई दे तो कार्बेडाजिम 2 ग्राम/ 1 लीटर पानी की दर से या प्रोपिकोनाजोल 1 मिली / 1 लीटर पानी की दर से प्रयोग करें।*
- *धान की नर्सरी में तना छेदक और पत्ता मोड़क फोल्डर के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर पर या कार्टैप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*
- *केस वर्म के मामले में, इंडोक्साकार्ब 15.8% ईसी 80 मिली/एकड़ दर पर या फ्लुबेंडिंयामाइड 39.35% एससी 20 मिली/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*